प्रविधियां हो। उसकी अपनी दार्शनिक शाखाएं एवं प्रशाखाएं हो, उसके पास नूतन क्षेत्रों में शोध एवं सर्वेक्षण करने का अभिनव कार्यक्षेत्र हो। उसके पास एक अनुभवात्मक (empirical) विकसित (developed) तथा रचनात्मक (constructive) सिद्धांत हो।
किसी भी विषय को स्वतन्त्र अनुशासनात्मक स्तर दिए जाने के लिए 'सिद्धान्त एक पूर्व अपेक्षा (Prerequisite) या शर्त है।

आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत (Modern political Theory)

राजनीति विज्ञान को स्वतन्त्र अनुशासन बनाने की दिशा में पुरजोर संघर्षरत है। इसलिए उसका अध्ययन - विश्लेषण आवश्यक है।

डेविड ईस्टन के अनुसार सिद्धांत का निर्माण

डेविड ईस्टन ने राजनीतिशास्त्र में सिद्धांत की आवश्यकताओं की ओर राजनीतिशास्त्रियों को आकर्षित किया।
सिद्धान्त के कार्य भाग या भूमिका (role) और इसकी सम्भावना की सचेत जानकारी के बिना राजनीतिक अनुसन्धान खण्डित और विजातीय होगा।

1. आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत परम्परागत सिद्धांत से भिन्न है परम्परागत राजनीतिशास्त्र में राजनीतिक सिद्धान्त के अंतर्गत मूल्यों पर चिन्तन किया जाता रहा है।
परम्परागत राजनीतिक सिद्धान्त दर्शन पर इतना अधिक आश्रित था कि अब कतिपय विद्वान इसे दर्शन का ही एक उपक्षेत्र मानते है।

राजनीतिक सिद्धांत की दो मुख्य धाराएँ

1. आदर्शी सिद्धान्तों में राजनीतिक व्यवस्थाओं के बारे कोई कल्पना मस्तिष्क में कर ली जाती है
2. अनुभविक सिद्धान्तों में राजनीति व्यवहार के वास्तविक तथ्यों को समझकर सिद्धान्तों का निर्माण होता है।